



RAF SECTOR NEWS CLIP 09/04/2024



SERVING HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

AMAR UJALA PARYAGRAJ (UP)

शौर्य दिवस पर आरएएफ जवान सम्मानित



फाफामऊ। शांतिपुरम 101 आरएएफ कैंप के प्रांगण में मंगलवार को शौर्य दिवस मनाया गया। वाहिनी के कमाण्डेन्ट मनोज कुमार गौतम ने परम्परागत तरीके से क्वार्टर गार्ड में सलामी ली तथा जवानों व अधिकारियों को पदक व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया। उक्त अवसर पर कमाण्डेन्ट ने वाहिनी के जवानों व अधिकारियों को उनकी कर्तव्य परायणता के लिए प्रेरित किया और बल के गौरवशाली परम्परा को बनाये रखने के लिए कहा। उक्त अवसर पर कला प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें 101 वाहिनी परिवार के बच्चों ने भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को कमाण्डेन्ट द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। आयोजन के दौरान वालीबाल मैच तथा सभी मेसों में बड़ाखाना का आयोजन किया गया तथा 101 आरएएफ की एक टीम शहीद वरूण कुमार तिवारी, ग्राम- लोनाखका, होलागढ़, प्रयागराज के परिवारजनों से मिलकर उन्हें उपहार भेंट किये। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी पुर्नवसु तिवारी, उप कमाण्डेन्ट बृजेश कुमार दुबे, नीरज कुमार, तथा अन्य अधिकारीगण, अधिकारीगण व जवान उपस्थित रहे।

सुन्दरनगर स्थित रैफ परिसर में शौर्य दिवस मनाया गया, कई कार्यक्रम आयोजित



जमशेदपुर : सुन्दरनगर स्थित 106 बटालियन द्रुत कार्य बल द्वारा शौर्य दिवस मनाया गया. इस मौके पर मुख्य अतिथि डा निशीत कुमार कमाण्डेन्ट 106 बटालियन देश की रक्षा में अदम्य साहस, वीरता और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता के लिए शैलेन्द्र कुमार, शौर्य चक्र प्राप्त नागेन्द्र सिंह ठप कमा0, ठप निरी रूपक कर्माकर पीएमजी, सिपाही सुजीत ठाव पीएमजी, बटालियन के सभी अधिकारी व जवान

9 अप्रैल को इस कारण मनाया जाता है शौर्य दिवस

9 अप्रैल सन् 1965 को गुजरात के कच्छ के रण में सरदार पोस्ट पर तैनात 2 बटा. केरिपुबल की एक छोटी सी टुकड़ी ने पाकिस्तानी सेना के 3500 सैनिकों वाली एक ब्रिगेड स्तर के हमले को नाकाम कर उन्हें पीछे खदेड़ दिया जिसमें पाकिस्तानी सेना के 34 सैनिकों को मार गिराया व 04 को जीवित पकड़ाया गया और लड़ते हुए हमारे बल के 06 जवान वीरगती को प्राप्त हुए थे. इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि एक छोटे से दल के जवानों ने शत्रु के पूरे सैन्य ब्रिगेड को करार शिकस्त दी थी उन वीर जवानों द्वारा प्रदर्शित वीरता की याद में प्रत्येक वर्ष 09 अप्रैल को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है उक्त अवसर पर 106 बटालियन आर0ए0एफ कैम्प में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

ठास्थित थे, सर्वप्रथम कमाण्डेन्ट गया तत्पश्चात स्पेशल दरबार का के दिन के महत्व के बारे में बताते द्वारा क्वार्टर गार्ड पर सलामी लिया आयोजन किया गया. जिसमें आज हुए केरिपुबल की शौर्य गाथा की

कहानियों को चलचित्र के माध्यम से बताया गया. विभिन्न स्कूलों के बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया साथ ही बाहिनी में ब्लड डोनेसन कैम्प का आयोजन भी किया गया जिसमें बाहिनी के कर्मिकों द्वारा ब्लड डोनेट किया गया. अन्त में केरिपुबल के परम्परा के अनुसार सभी अधिकारियों तथा जवानों द्वारा बड़े खाने का आयोजन किया गया.

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय ।